फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 269 प्रभात जयपुर, बुधवार 1 मई, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

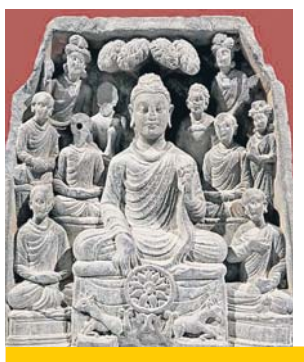

Naghza Tarin Mewa Hindustan: Amir Khusro

Legend has it that the Buddha was presented with a mango grove so that he could rest under the shady trees.

Delectable Mango Recipes

It's mango season here and my heart can't stop dancing! This 'king of fruit' has all our heart and we just can't get enough of it!

छद्मावरण जैसी खाल, अत्यधिक लंबी पूंछ और पेड़ पर चढ़ने की असाधारण क्षमता वाले क्लाउडेड लैपर्ड के एक जैनेटिक अध्ययन में सामने आया है कि आवास में आई कमी और शिकार के कारण मध्यम आकार के इन जानवरों की आनुवंशिक विविधता को भारी धक्का लगा है तथा जंगल में इनके दीर्घकालीन सरवाइवल के लिए यह एक चेतावनी है। साइन्स एडवान्सेज़ में प्रकाशित जीनोमिक्स विश्लेषण में पाया गया कि, भारी अन्तर्प्रजनन, सीमित आनुवंशिक विविधता और म्यूटेशन्स की उपस्थिति इनके प्रजनन को नुकसान पहुँचा सकती है। शोध के लेखकों का कहना है कि, मनुष्य की गतिविधि के कारण हाल ही में इनकी आबादी में आई भारी गिरावट के कारण इन जानवरों के नकारात्मक जैनेटिक लक्षणों में भारी बढ़ोतरी हुई है। शोध में कहा गया है कि, "इनके हैबिटैट (आवास) में हुए भारी विखंडन और अत्यधिक अन्तर्प्रजनन के कारण संभवतः इतने अधिक हानिकारक म्यूटेशन हुए हैं। ये दोनों ही जैनेटिक संकट के मुख्य संकेतक हैं और इस संकटग्रस्त "बिग कैट" प्रजाति के सरवाइवल के लिए त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर देते हैं। पूर्व में क्लाउडेड लैपर्ड को एक "सिंगल स्पीशीज़" माना जाता था, फिर सन् 2006 में डी.एन.ए. सबूतों से सामने आया कि, एशियन मेनलैण्ड में रह रही आबादी साउथईस्ट एशियन द्वीपों की आबादी से काफी भिन्न है, जिसके कारण वैज्ञानिकों ने इन्हें एक अलग प्रजाति के रुप में वर्गीकृत किया। मेनलैण्ड क्लाउडेड लैपर्ड (निओफेलिस नीबुलोसा) नेपाल से दक्षिणी चीन तथा मलेशिया के दक्षिण में पाया जाता है तथा सुण्डा क्लाउडेड लैपर्ड (निओफेलिस डिआर्डी) केवल बोर्नियो और सुमात्रा द्वीपों पर रहते हैं। दोनों प्रजातियाँ आई.यू.सी.एन. की रैड लिस्ट के "अतिसंवेदनशील" वर्ग में शामिल हैं। जिसमें बताया गया है कि, पिछले दो दशकों में इन जानवरों का तकरीबन एक-तिहाई आवास क्षेत्र खत्म हो गया है। अवैध वाइल्डलाइफ ट्रेड में इनकी खाल की बहुत मांग है। सभी बिग कैट्स के समान क्लाउडेड लैपर्ड्स को भी सरवाइवल के लिए विस्तृत क्षेत्रों की आवश्यकता होती है।

क्या शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित भाजपा जॉइन करेंगे

संदीप दीक्षित लोकसभा चुनाव का टिकट न मिलने से काफी दुखी व रूष्ट थे

- भाजपा ने संदीप दीक्षित को भाजपा का टिकट देने का भी ऑफर दिया है, भाजपा, हर्ष मेहता का टिकट काटकर ईस्ट दिल्ली से संदीप को अपना उम्मीदवार बनाने को तैयार है।
- हाल ही में अरविन्द सिंह लवली, संदीप दीक्षित व सुभाष चौपड़ा, वरिष्ठ भाजपा नेता रामबीर सिंह बिधुरी के फार्म हाऊस पर मिले थे।
- जैसा कि विदित ही है, लवली व दीक्षित कांग्रेस से काफी रूष्ट हैं, क्योंकि दोनों को पार्टी ने लोकसभा का टिकट नहीं दिया।
- बहरहाल, अजय माकन ने अपने विश्वासी, देवेन्द्र यादव को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस पार्टी का अंतरिम अध्यक्ष बनवा दिया, क्योंकि, लवली के इस्तीफा देने के बाद, यह पद खाली पड़ा था।
- देवेन्द्र भाटी बड़े बिल्डर हैं दिल्ली में और वे दिल्ली पी.सी.सी. के दफ्तर का 10-15 लाख रूपये का खर्च अपनी पॉकेट से भरेंगे।
- अजीबोगरीब बात यह भी है कि, यादव पंजाब व उत्तराखंड के प्रभारी भी हैं और जैसा कि विदित ही है, कांग्रेस दिल्ली में आप के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ रही है, जबकि पंजाब में दोनों प्रतिद्वंदी के रूप में आमने-सामने चुनाव लड़ रहे हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अप्रेल। दिल्ली कांग्रेस बिखर रही है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि पार्टी ने उन्हें लोकसभा टिकट देने से इन्कार कर दिया था।

अजय माकन ने अपने निष्ठावान देवेन्द्र यादव को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डी.पी.सी.सी.) का अंतरिम अध्यक्ष बनाया है, इस आश्वासन के साथ कि, वे डी.पी.सी.सी. के संचालन के लिए अपनी जेब से 10 से 15 लाख रूपए प्रतिमाह खर्च करेंगे। दीपक बाबरिया ने अन्य अभ्यर्थियों के बारे में जानकारी की थी और बात की थी, लेकिन जब माकन को यादव को प्रदेश अध्यक्ष बनाने का यह अवसर मिला तो, अन्य अभ्यर्थियों को साइडलाइन कर दिया गया। देवेन्द्र यादव एक धनी व्यक्ति हैं। यह आरोप भी हैं कि, दिल्ली के रिअल एस्टेट में उनका मोटा धन लगा हुआ है। पहले उत्तराखण्ड और अब पंजाब के प्रभारी के रूप में उन्होंने भारी लाभ कमाए हैं। किसी भी हिसाब से पंजाब एक समृद्ध राज्य है, लेकिन स्थिति की विडम्बना देखिए!

देवेन्द्र यादव अब पंजाब और दिल्ली दोनों के प्रभारी हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन दिल्ली में कांग्रेस और "आप" चुनावी गठबंधन में हैं, और दोनों मिलकर भाजपा से लोहा ले रहे हैं।

क्या यह बात कांग्रेस के बड़े नेताओं को चिन्तित करती है? या देवेन्द्र यादव कोई सुपरमैन हैं।

बात बहुत दिलचस्प है।

ज्ञात हुआ है कि, भाजपा संदीप दीक्षित को अपनी पार्टी में आने के लिए प्रलोभन दे रही है। संदीप दीक्षित तीन बार दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं कांग्रेस नेता शीला दीक्षित के पुत्र हैं। भाजपा पूर्वी दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा का टिकट काटकर संदीप दीक्षित को भाजपा का टिकट देने के लिए राजी है, यदि वो भाजपा में शामिल होते हैं तो।

सूत्र बताते हैं कि, अरविन्दर सिंह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी महाराष्ट्र की चुनावी सभाओं में शरद पवार को "टारगैट" क्यों कर रहे हैं?

मोदी ने शरद पवार को "भटकती आत्मा" कहा, जो राजनीतिक महत्वकांक्षा पूरी न होने के कारण जगह-जगह भटकती फिर रही है

- मोदी ने यह भी कहा कि, जब-जब पवार की महत्वकांक्षा पूरी होती नहीं दिखती है, पवार दूसरों का खेल बिगाड़ने में लग जाते हैं और यही कारण है कि, महाराष्ट्र में पिछले 45 साल में कोई स्थिर सरकार नहीं आयी है तथा महाराष्ट्र की एक अस्थिर प्रदेश होने की छवि बन गयी है।
- पवार ने अपनी महत्वकांक्षा की यात्रा 45 वर्ष पूर्व शुरू की थी, इंदिरा गांधी को धोखा देकर। जनता पार्टी से हाथ मिलाकर महाराष्ट्र में सरकार बनायी थी तथा अभी भी उसी राह पर आगे बढ़ रहे हैं।
- पर, अब इंटैलीजैंस रिपोर्ट्स के अनुसार चुनाव में पवार व उद्धव ठाकरे के लिये जनता में सहानुभूति उभर रही है, इस सहानुभूति को जड़ से खत्म करने के लिये मोदी ने पवार की छवि खराब करने का अभियान छेड़ रखा है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अप्रेल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महाराष्ट्र में उनकी चुनावी जनसभाओं में राष्ट्रवादी कांग्रेसी पार्टी के संस्थापक शरद पवार पर लगातार हमले, कटाक्ष और प्रहार कर रहे हैं जो इस बात का संकेत है कि भाजपा व उसके दो सहयोगी दलों के प्रत्याशियों के प्रदेश में विकेट उड़ने वाले हैं। इस राज्य से लोकसभा में 48 सांसद निर्वाचित होकर जाते हैं।

उच्चस्तरीय सूत्रों ने बताया, शरद पवार व शिव सेना नेता उद्धव ठाकरे दोनों के प्रति बड़ी सहानुभूति लहर होने की गुप्त सूचना मिलने के बाद सचेत होकर प्रधानमंत्री ने एन.सी.पी. सुप्रीमो के खिलाफ चुनावी प्रहार तीखे कर दिए हैं।

मोदी ने पुणे में कल शरद पवार को एक सभा में भटकती हुई आत्मा कहा था उसके एक दिन बाद उन्होंने मंगलवार को एन.सी.पी. के नेता पर हमला जारी रखते हुए कहा कि जब वो केन्द्रीय कृषि मंत्री थे तब उन्होंने अपने पद पर रहते हुए किसानों के हितार्थ कुछ खास कार्य नहीं किया था।

मोदी ने महाराष्ट्र में शोलापुर जिले के मालशीरस में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब महाराष्ट्र का एक बड़ा नेता केन्द्रीय कृषि मंत्री था, उस समय प्रदेश के किसान गन्ना कमीशन की बकाया राशि के लिए उनके चक्कर काटा करते थे। महाराष्ट्र में एक भटकती आत्मा है। यदि वो खुद सफल नहीं होते हैं तो वे दूसरों के अच्छे कार्यों को भी नष्ट करते हैं। मोदी ने उक्त बातें सोमवार को एक जनसभा में शरद पवार का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधते हुए कही और कहा था, महाराष्ट्र इस आत्मा से पीड़ित रहा है।

मोदी ने पुराना वाकया दोहराते हुए कहा कि यह अस्थिरता का खेल महाराष्ट्र में 45 वर्ष पूर्व इसी नेता ने शुरु किया था जो सिर्फ स्वयं की महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए किया था, जिसके चलते महाराष्ट्र प्रदेश में हमेशा अस्थिरता रहीं। इसका परिणाम यह हुआ कि कई मुख्यमंत्री अपने निर्धारित कार्यकाल पूर्ण नहीं कर पाए।

आज मालशीरस की जनसभा में मोदी ने मतदाताओं से कहा कि वे कांग्रेस ओर अन्य विपक्षी दलों को अपना कीमती वोट देकर बर्बाद नहीं करें। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने आनंद शर्मा को कांगड़ा से टिकट दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अप्रेल। कांग्रेस ने मंगलवार को पूर्व केन्द्रीय मंत्री और राज्यसभा सदस्य आनंद शर्मा को उनके गृह राज्य हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा सीट से उम्मीदवार घोषित किया, और बॉलीवुड अभिनेता, राज बब्बर को दिल्ली के "सैटलाइट टाउन", हरियाणा के गुरूग्राम से चुनाव लड़वाने का निर्णय लिया है। कांग्रेस द्वारा चयनित दो अन्य उम्मीदवार, उत्तरी मुंबई से भूषण पाटिल

- पार्टी ने राज बब्बर को गुरूग्राम से प्रत्याशी बनाया है।

और हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से सतपाल रायज़ादा हैं।

बब्बर तीन बार सांसद रह चुके हैं जबकि आनंद शर्मा उन लोगों में से एक हैं जिन्होंने, वर्ष 2020 में उस समय के कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे उस पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें कांग्रेस नेतृत्व के पूर्ण कायापलट की मांग की गई थी। इस घटना को पार्टी में एक विद्रोह की तरह देखा गया था। इन चारों सीटों पर सात चरणों वाले चुनावों के छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा।

सीकर में माकपा समर्थकों ने जीत की हवा बनाई

सट्टा बाज़ार भी हवा के प्रभाव में आकर जीत का रूझान दिखा रहा है

- पर, क्या इस बार फिर वही नतीजा होगा, जैसा विधानसभा चुनाव में धोद सीट पर देखा गया था, जहां से माकपा के पेमाराम प्रत्याशी थे।
- विधानसभा चुनाव में पेमाराम की जीत के बड़े दावे किए गए थे कि, एस.सी., एस.टी., अल्पसंख्यक और जाटों के एक मुश्त वोट उन्हें मिले हैं, ऐसे ही दावे अभी अमराराम के लिए किए जा रहे हैं।
- पर, विधानसभा चुनाव में पेमाराम को भाजपा के गोवर्धन वर्मा ने 30,000 वोटों से हराया था। आम मतदाता को यकीन है कि, इस बार भी ऐसा ही होगा और भाजपा प्रत्याशी सुमेधानंद भारी अंतर से जीतेंगे।

सीकर, 30 अप्रेल (निसं)। सीकर लोकसभा चुनाव के मतदान के बाद यहां पर हार जीत को लेकर मतदाता न केवल कयास लगा रहे हैं। बल्कि उनमें भारी उत्साह भी है। सट्टा बाजार में हालांकि माकपा प्रत्याशी अमराराम के समर्थन में रुझान बताया जा रहा है, पर आम मतदाता की राय इसके विपरीत है। हालांकि परिणाम आने में एक माह से अधिक का समय है।

सीकर संसदीय क्षेत्र के धोद विधानसभा क्षेत्र से सीकर लोकसभा सीट से माकपा उम्मीदवार का चुनाव लड़ना एक संयोग ही है। विधानसभा चुनाव में भी सट्टा बाजार एवं माकपा के मुखर समर्थकों का रुझान धोद सीट पर कॉमरेड को जीता हुआ मान रहा था। विधानसभा चुनाव के दौरान धोद विधानसभा क्षेत्र में माकपा की हार हुई और भाजपा के गोवर्धन वर्मा करीब तीस हजार मतों से जीते थे। उस दौरान भी सट्टा बाजार में भाजपा उम्मीदवार के भाव बीस से पच्चीस पैसे निकले और सट्टा बाजार में अफवाहों के चलते माकपा उम्मीदवार पेमा राम की जीत के दावे किए गए थे।

इस बार फिर सट्टा बाजार के साथ चर्चाओं का बाजार भी गर्म हो गया है, अफवाह उड़ाई जा रही है कि एस.सी., एस.टी., अल्पसंख्यक व जाटों के वोट एकतरफा माकपा के पक्ष में गये हैं। विधानसभा चुनाव की गणित के समान ही माकपा के मुखर समर्थकों ने लोकसभा चुनाव में भी माकपा के अमराराम की जीत पक्की होने की हवा फैला दी है। सट्टा बाजार में भी अमराराम की लीड व जीत रुझान बताए जा रहे हैं। टिकट की घोषणा के समय तो भाजपा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्ट्रीट वैंडर्स पर दंडात्मक कार्यवाही नहीं

जयपुर, 30 अप्रेल (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम को कहा है कि, वह याचिकाकर्ता संगठन के उन स्ट्रीट वैंडर सदस्यों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं करे, जिनके पास निगम की ओर से दिए

- राजस्थान हाई कोर्ट ने बिना आई.डी.कार्ड वाले स्ट्रीट वैंडर्स पर कार्यवाही करने से निगम को रोका और गृह सचिव, जे.डी.ए., नगर निगम और डी.पी.पी. को नोटिस भेजा।

पहचान पत्र नहीं हैं। अदालत ने गृह सचिव, स्थानीय निकाय सचिव, जेडीए, नगर निगम और डीजीपी से जवाब मांगा है। अदालत ने स्ट्रीट वैंडर्स

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या भीलवाड़ा में पूर्व सांसद डॉ. सी.पी. जोशी हारी हुई लड़ाई लड़ रहे हैं?

कम मतदान के बावजूद भी भाजपा के दामोदर अग्रवाल जीत के प्रति आश्वस्त लग रहे हैं

- स्थानीय स्तर पर कांग्रेस का कमज़ोर संगठन और कार्यकर्ताओं की नाराजगी जोशी को भारी पड़ सकती है।
- जोशी का स्थानीय कार्यकर्ताओं पर भरोसा नहीं कर पाना भी एक बड़ा कारण रहा, जिसकी वजह से कार्यकर्ताओं ने उनसे दूरी बना ली, जोशी के चुनाव अभियान का संचालन उनके साथ बाहर से आए लोगों में किया।
- इसके विपरीत भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल को मजबूत भाजपा संगठन, मोदी के करिश्माई नेतृत्व और बड़े नेताओं की सभा व रोड शो से भारी मदद मिली। इससे क्षेत्र में उनके पक्ष में अच्छा माहौल बना, जो उन्हें जीत की ओर ले जा रहा लगता है।

भीलवाड़ा, 30 अप्रेल (निसं)। भीलवाड़ा में लोकसभा चुनाव काफी दिलचस्प रहा। वर्ष 2019 के मुकाबले इस बार यहां मतदान प्रतिशत कम रहा पर ग्राउण्ड रिपोर्ट बताती है कि आम धारणा के विपरीत कम मतदान का लाभ कांग्रेस को नहीं बल्कि भाजपा को मिलेगा। भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के 70 वार्डों का रुझान देखने से लगता है कि कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व विधानसभाध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी का जीत पाना मुश्किल है। भाजपा के दामोदर अग्रवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मा और पिछले दिनों अयोध्या में हुए राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के कारण हिंदू मतदाताओं के बीच हुए ध्रुवीकरण से इतने उत्साहित हैं कि उन्हें अपनी जीत की गारंटी नज़र आ रही है, यहां चुनाव स्थानीय मुद्दों पर नहीं बल्कि राष्ट्रवाद और सनातन धर्म की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने के कारण मोदी के नाम पर लड़ा गया।

मतदान के दिन भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह नजर आ रहा था, वही अन्तर्कलह से ग्रस्त कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं में भारी उदासीनता देखी गई। डॉ. सी.पी. जोशी का सबसे कमजोर पक्ष यह रहा की स्थानीय कांग्रेस संगठन के नाम पर ज़ीरो नज़र आ रही थी, उस पर जोशी की कार्यशैली से स्थानीय कार्यकर्ता भी नाखुश दिखे। जोशी ने स्थानीय नेताओं पर भरोसा करने के बजाय अपने साथ लाए लोगों के माध्यम से चुनाव का संचालन करवाया। इसलिए स्थानीय कार्यकर्ता जोशी से दूर-दूर ही रहे।

मतदान की स्थिति देखी जाए तो भीलवाड़ा शहर के पुर कस्बे के वार्ड नंबर 1 और 3 में कांग्रेस के काउंटर पर उत्साह नजर आया तथा गुल नगरी, गुलशन नगर, सांगानेर, गुलमंडी, काशीपुरी, मतदान केंद्रों पर कांग्रेस समर्थकों की संख्या ज्यादा रही, वही शहर के मध्य भोपाल गंज, शास्त्री नगर, तिलक नगर, सुभाष नगर, जवाहर नगर, गांधीनगर, सर्राफा बाजार, खटीक मोहल्ला, पंचवटी क्षेत्र सहित राजेंद्र मार्ग मतदान केन्द्रों पर भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में मतदान का भारी रुझान नज़र आ रहा था। जिले के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में भी जोशी को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'न्यायिक व्यवस्था पर गंभीर नहीं सरकार'

जयपुर, 30 अप्रेल (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव और प्रमुख विधि सचिव को शपथ पत्र पेश कर यह बताने को कहा है कि, आखिर अदालतों में सरकार की ओर से लचर पैरवी की व्यवस्था कब तक रहेगी। इसके

- राजस्थान हाई कोर्ट ने अदालतों में सरकारी वकीलों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के बाबत की गई कार्यवाही के बारे में पूछा और मुख्य सचिव और प्रमुख विधि सचिव को नोटिस भेजा।

अलावा दोनों अधिकारी यह भी बताएं कि, सरकारी वकीलों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए क्या कार्रवाई की गई है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)